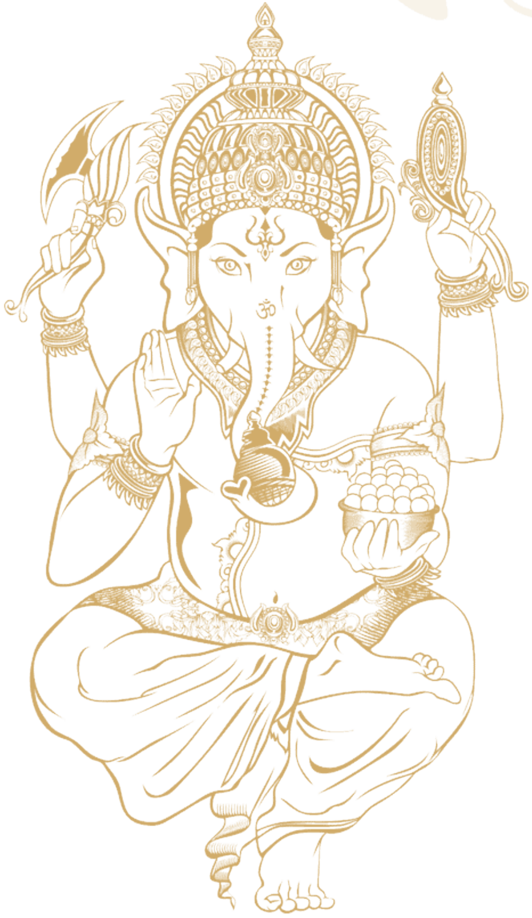

Saurabh khanna

24 Feb 1984

08:34 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121739406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/02/1984**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:34:00 घंटे**
इष्ट	34:13:41 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:12:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:24 घंटे
साम्पातिक काल	06:27:37 घंटे
सूर्योदय	06:52:31 घंटे
सूर्यास्त	18:16:50 घंटे
दिनमान	11:24:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:33:50 कुम्भ
लग्न के अंश	12:26:53 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	हर्षण
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	12:26:53	317:47:38	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	11:33:50	01:00:23	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	22:22:48	12:42:57	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल			तुला	26:23:28	00:21:34	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	00:58:06	01:42:04	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
गुरु			धनु	13:19:59	00:10:04	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	स्वराशि
शुक्र			मक	13:03:17	01:13:59	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
शनि	व		तुला	22:45:10	00:00:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		वृष	18:27:14	00:00:10	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	18:27:14	00:00:10	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	19:42:16	00:01:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	07:23:42	00:01:14	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो	व		तुला	08:22:55	00:00:42	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			मिथु	12:42:18	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:37:53

लग्न-चलित

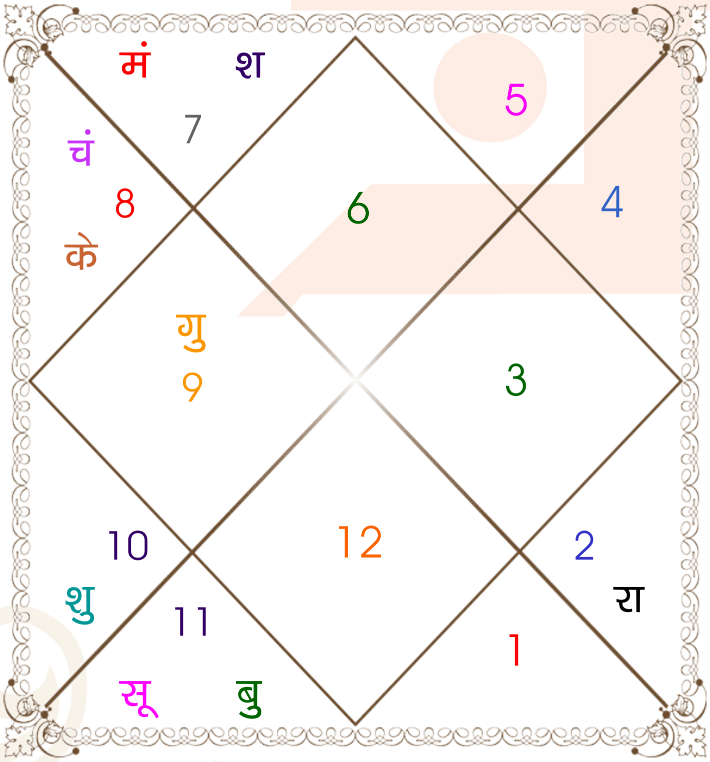

चन्द्र कुंडली

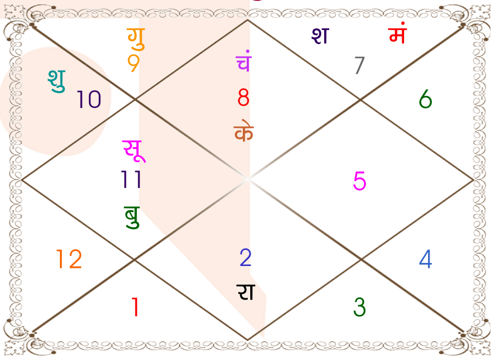

नवमांश कुंडली

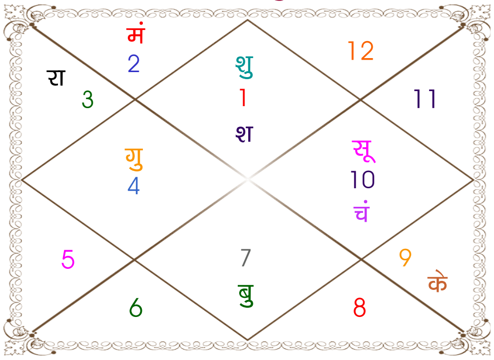

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 8 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
24/02/1984	**12/11/1993**	**12/11/2000**	**12/11/2020**	**12/11/2026**
12/11/1993	**12/11/2000**	**12/11/2020**	**12/11/2026**	**12/11/2036**
00/00/0000	केतु 10/04/1994	शुक्र 13/03/2004	सूर्य 01/03/2021	चंद्र 13/09/2027
00/00/0000	शुक्र 10/06/1995	सूर्य 13/03/2005	चंद्र 31/08/2021	मंगल 13/04/2028
00/00/0000	सूर्य 16/10/1995	चंद्र 12/11/2006	मंगल 06/01/2022	राहु 13/10/2029
24/02/1984	चंद्र 16/05/1996	मंगल 12/01/2008	राहु 01/12/2022	गुरु 12/02/2031
चंद्र 13/05/1985	मंगल 12/10/1996	राहु 12/01/2011	गुरु 19/09/2023	शनि 12/09/2032
मंगल 11/05/1986	राहु 31/10/1997	गुरु 12/09/2013	शनि 31/08/2024	बुध 11/02/2034
राहु 27/11/1988	गुरु 07/10/1998	शनि 12/11/2016	बुध 07/07/2025	केतु 12/09/2034
गुरु 05/03/1991	शनि 16/11/1999	बुध 13/09/2019	केतु 12/11/2025	शुक्र 13/05/2036
शनि 12/11/1993	बुध 12/11/2000	केतु 12/11/2020	शुक्र 12/11/2026	सूर्य 12/11/2036

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
12/11/2036	**12/11/2043**	**12/11/2061**	**12/11/2077**	**12/11/2096**
12/11/2043	**12/11/2061**	**12/11/2077**	**12/11/2096**	**00/00/0000**
मंगल 10/04/2037	राहु 26/07/2046	गुरु 31/12/2063	शनि 15/11/2080	बुध 10/04/2099
राहु 28/04/2038	गुरु 18/12/2048	शनि 13/07/2066	बुध 26/07/2083	केतु 08/04/2100
गुरु 04/04/2039	शनि 25/10/2051	बुध 18/10/2068	केतु 03/09/2084	शुक्र 06/02/2103
शनि 13/05/2040	बुध 14/05/2054	केतु 24/09/2069	शुक्र 03/11/2087	सूर्य 14/12/2103
बुध 10/05/2041	केतु 01/06/2055	शुक्र 25/05/2072	सूर्य 15/10/2088	चंद्र 25/02/2104
केतु 06/10/2041	शुक्र 01/06/2058	सूर्य 13/03/2073	चंद्र 17/05/2090	00/00/0000
शुक्र 07/12/2042	सूर्य 26/04/2059	चंद्र 13/07/2074	मंगल 25/06/2091	00/00/0000
सूर्य 13/04/2043	चंद्र 24/10/2060	मंगल 19/06/2075	राहु 01/05/2094	00/00/0000
चंद्र 12/11/2043	मंगल 12/11/2061	राहु 12/11/2077	गुरु 12/11/2096	00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 9 मा 8 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्‌मी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रुप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।